अध्याय- चतुर्थ

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

विश्लेषण के अभाव में एकत्रित सामग्री से निश्चित समस्या का समाधान नहीं हो सकता। अतः समस्या के संबंध में परिणाम की प्राप्ति के लिए सामग्री का विलेषण किया जाता है। प्रस्तुत अध्याय में एकत्रित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया है। इसके लिए विभिन्न सांख्यिकीय गणनाओं, मध्यमान, मानक विचलन, ANOVA (F-परीक्षण) तथा टी.मान का उपयोग किया गया है।

4.1 धर्मनिरपेक्षता के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति की जानकारी प्राप्त करना–

विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना शोध का प्रमुख था। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु शिक्षको पर प्रयुक्त मापनी का धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्त अंको से विभिन्न समुदाय के शिक्षकों का अलग–अलग मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना की गई हैं। जिसें तालिका क्रमांक 4.1.1 में दिखाया गया हैं।

तालिका 4.1.1 अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरेपक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंको के मध्यमान व मानक विचलन

क्रमांक S.N.	समुदाय	संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.
1.	जैन समुदाय के अध्यापक	25	106.64	7.54
2.	ईसाई समुदाय के अध्यापक	25	99.04	4.19
3.	मुस्लिम समुदाय के अध्यापक	25	98.08	4.34
कुल योग		75		
4.	पुरुष शिक्षक	44	102.65	6.62
5.	महिला शिक्षक	31	99.25	6.35
कुल योग		75		

तालिका क्रमांक 4.1.1 से स्पष्ट है कि जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों की संख्या समान (25-25) है, और इनका धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंकों का मध्यमान क्रमशः 106.64, 99.04 व 98.08 हैं तथा मानक विचलन क्रमशः 7.54, 4.19 व 4.34 है। इसी प्रकार अल्पसंख्यक समुदायों के पुरूष शिक्षक 44 तथा महिला शिक्षकों की संख्या 31 है। जिनका मध्यमान क्रमशः: 102.65 व 99.25 मानक विचलन क्रमशः 6.62 व 6.35 है।

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त **'सेकूलर एटीट्यूट स्केल'** (S.A.S) पर 98 से कम स्कोर, कम धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति एवं 130 से. अधिक स्कोर, अधिक निरपेक्ष अभिवृत्ति की ओर इंगित करते है। तालिका क्रमांक 4.1.1 पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता कि जैन, ईसाई, व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंको के मध्यमान 98 से 130 के बीच स्थित है। अतः स्पष्ट है जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति औसत पाई गई।

इसी प्रकार अल्पसंख्क समुदायों के पुरूष व महिला शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के स्कोर के मध्यमान भी 98 से 130 की बीच स्थित हैं। अतः पुरूष व महिला शिक्षकों में भी अभिवृत्ति औसत धर्मनिरपेक्ष है।

4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षण-

प्रथम अध्याय में शोध के उद्देश्य के आधार पर निर्मित की गई परिकल्पनाओं का परीक्षण विभिन्न सांख्यिकीय विधियों द्वारा किया गया है।

Ho^1 परिकल्पना –

"जैन, ईसाई, व मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।"

तालिका क्र 4.2.1 जैन, ईसाइ व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना

चर Variable	समूहों के मध्यमान Group of Mean			प्रसरण स्त्रोत Source of Variance	वर्गों का योग S.S	मुक्तांश df	मध्यमान वर्ग M.S.	एफ अनुपात f
	जैन समुदाय के शिक्षक	ईसाई समुदाय के शिक्षक	मुस्लिम समुदाय के शिक्षक					
धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति	106.64	99.04	98.08	समूह के मध्य	736.11	2	368.055	11.21*
				समूह के अंतर्गत	2364.06	72	32.834	
				योग	3100.17	74		

N = 75 Table Value of 'f' = 3.84 at 0.05 Level Confidence

*Significant at 0.05 Level Confidence

तालिका क्रमांक 4.2.1 को देखने से स्पष्ट है कि जैन, ईसाई, व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमानों के बीच F अनुपात 11.27 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अतः पहली शून्य परिकल्पना (Ho^1) "जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा" अस्वीकृत की जाती हैं।

अतः निष्कर्ष निकलता है कि जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में समान धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति नहीं पायी गई।

Ho^2 परिकल्पना –

"जैन व ईसाई समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा"

तालिका क्रमांक 4.2.2 जैन व ईसाई समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना

क्रमांक S.N.	समूह Group	(ध.नि.अ.) मध्यमान M	माध्यों का अंतर DM	प्रमाप त्रुटि S.E	टी. अनुपात t. value
1.	जैन समुदाय के शिक्षक	106.64	7.6	1.73	4.39*
2.	ईसाई समुदाय के शिक्षक	99.04			

N =75 df= 73 Table Velue of 't'= 1.96 at 0.05 Level Confidence

*Significant at 0.05 Level Confidence

तालिका क्रमांक 4.2.2 देखने से स्पष्ट है कि जैन व ईसाई समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंको के मध्यमानों के बीच टी. अनुपात 4.39 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। अतः दूसरी शून्य परिकल्पना (Ho^2) "जैन व ईसाई समुदायो द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा" अस्वीकृत की जाती है।

अतः कहा जा सकता है कि जैन व ईसाई समुदायों के शिक्षकों में समान धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति नहीं पाई जाती है।

Ho^3 परिकल्पना –

"जैन व मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा"

तालिका क्रमांक 4.2.3 जैन व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना

क्रमांक S.N.	समूह Group	(ध.नि.अ.) M	माध्यों का अंतर DM	प्रमाप त्रुटि S.E	टी. अनुपात t. Ratio
1.	जैन समुदाय के शिक्षक	106.64	8.56	1.74	4.92*
2.	मुस्लिम समुदाय के शिक्षक	98.08			

N= 75, d.f = Table Value of 't'.= 1.96 at 0.05 Lavel confidence

*Significant at 0.05 Level Confidence

तालिका क्रमांक 4.2.3 देखने से स्पष्ट है कि जैन व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंकों के मध्यमानों के बीच टी. अनुपात 4.92 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं। अतः तीसरी शून्य परिकल्पना (Ho^3) "जैन व मुस्लिम समुदायो द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा" अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि जैन व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में समान धर्मनिरपेक्ष अभिवृत्ति नहीं होती हैं।

Ho^4 परिकल्पना –

"ईसाई व मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा"

तालिका क्रमांक 4.2.4 ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति कें अंतर की तुलना

क्रमांक S.N.	समूह Group	(ध.नि.अ.) M	माध्यों का अंतर DM	प्रमाप त्रुटि S.E	टी. अनुपात t. Ratio
1.	ईसाई समुदाय के शिक्षक	99.04	0.96	1.21	0.79
2.	मुस्लिम समुदाय के शिक्षक	98.08			

N= 75, d.f = 73 Table value of 't' = 1.96 at 0.05 Level Confidence

Not Significant at 0.05 Level Confidence

तालिका क्रमांक 4.2.4 देखने से स्पष्ट है कि ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंकों के मध्यमानों के बीच टी. अनुपात 0.79 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है।अतः चौथी शून्य परिकल्पना (Ho^4) " ईसाई व मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा" स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में अभिवृत्ति समान धर्मनिरपेक्ष है।

Ho^5 परिकल्पना –

"अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा"

तालिका क्रमांक 4.2.5 अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में लिंग के आधार धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना

क्रमांक S.N.	समूह Group	(ध.नि.अ.) M	माध्यों का अंतर DM	प्रमाप त्रुटि S.E	टी. अनुपात t. Ratio
1.	पुरूष शिक्षक	102.65	3.4	1.52	2.24*
2.	महिला शिक्षक	99.25			

N= 75, d.f = 73 Table Value of 't'= 1.96 at 0.05 Level Confidence

*Significant at 0.05 Level Confidence

तालिका क्रमांक 4.2.5 के अवलोकन से स्पष्ट होता है. अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंको के मध्यमानों के बीच टी. अनुपात 2.24 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक हैं अतः पाँचवी शून्य परिकल्पना (Ho^5) "अल्पसंख्यक समुदायो के शिक्षकों में लिंग के आधार पर धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थकता अन्तर नहीं होगा" अस्वीकृत की जाती है।

तात्पर्य यह है कि अल्पसंख्यक समुदायों के पुरुष व महिला शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति समान नहीं है।